फ्रांस में 27 दिन में PM का इस्तीफा

» इतिहास में सबसे कम समय तक रहे, 1 साल में 4 प्रधानमंत्री ने पद छोड़ा

समर ब्यूरो

फ्रांस के पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू ने महज 27 दिन में इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 9 सितंबर को प्रधानमंत्री का पद संभाला था, 6 अक्टूबर को उन्होंने इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। पीएम लेकोर्नू ने रविवार को नए मंत्रीमंडल का ऐलान किया था लेकिन 12 घंटे बाद ही उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को हैरान कर दिया। लेकोर्नू 13 महीने में देश के चौथे पीएम थे। पूर्व प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू ने विश्वास मत न मिलने की वजह से सितंबर में इस्तीफा दिया था। लेकोर्नू सिर्फ 39 साल के हैं और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। वह 2022 में मैक्रों के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से 5वें प्रधानमंत्री थे और पिछले साल संसद भंग होने के बाद तीसरे।

» संसद में किसी पार्टी को बहुमत नहीं, विपक्ष ने मैक्रों से इस्तीफा मांगा

लेकोर्नू के इस्तीफा के कारण फ्रांस की राजनीतिक में गहरा संकट उत्पन्न हो गया है। संसद में किसी भी पार्टी को बहुमत न होने के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। दक्षिणपंथी नेता मरीन ली पेन और अन्य विपक्षी नेताओं ने नए संसदीय चुनाव की मांग की है ताकि स्थिर सरकार बन सकें। ली पेन ने कहा कि मैक्रों का इस्तीफा देना बुद्धिमानी होगी। हालांकि मैक्रों पहले ही इससे इनकार कर चुके हैं।

» कैबिनेट बनाने से नाराज हुई पार्टियां

फिलहाल लेकोर्नू के इस्तीफे के पीछे उनके नए कैबिनेट बनाने को लेकर हुई नाराजगी मानी जा रही है। मैक्रों की सहयोगी पार्टी लेस रिपब्लिकेंस ने कहा कि नई कैबिनेट में कुछ भी बदलाव नहीं है, जबकि लेकोर्नू ने कहा था कि वे नई शुरूआत करेंगे। रविवार शाम को जब कैबिनेट की घोषणा हुई, तो हर राजनीतिक दल ने इसकी आलोचना की। सबसे ज्यादा विवाद तब हुआ जब ब्रूनो ले मायेर जो सात साल तक मैक्रों के इकोनॉमी मिनिस्टर रह चुके थे, को रक्षा मंत्री बना दिया गया। अब स्थिति यह है कि फ्रांस की राजनीति पूरी तरह से अस्थिर हो चुकी है। अतिदक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली (RN), जिसकी नेता मरीन ले पेन हैं, ने राष्ट्रपति मैक्रों से संसद भंग करने और नए चुनाव कराने की मांग की है। वहीं वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबोड (LFI) ने कहा है कि मैक्रों को खुद ही इस्तीफा दे देना चाहिए।

फ्रांस में बार-बार इस्तीफे क्यों दे रहे PM

फ्रांस में बार-बार प्रधानमंत्री बदलने की वजह के पीछे 2024 का आम चुनाव है। तब फ्रांस की संसद 3 हिस्से में बंट गई थी। वामपंथी, अति दक्षिणपंथी और मैक्रों का सेंटर-दक्षिणपंथी गठबंधन। किसी के पास भी स्पष्ट बहुमत नहीं था, इसलिए किसी भी नीति या बजट को पारित कराना बेहद मुश्किल हो गया। लेकोर्नू को एक ऐसा बजट पारित कराना था जिससे सरकारी खर्च घटाया जा सके और घाटे को कंट्रोल किया जा सके, लेकिन यह काम उनके पहले के दो प्रधानमंत्रियों फ्रांस्वा बायरू और मिशेल बार्नियर भी नहीं कर पाए थे। संसद में इस बात को लेकर हर गठबंधन की अलग-अलग राय थी।

ट्रम्प ने नेतन्याहू को लगाई फटकार

» कहा- तुम हमेशा इतने नकारात्मक क्यों रहते हो

समर ब्यूरो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को फोन पर फटकार लगाई है। दरअसल, हमास ने गाजा युद्ध खत्म करने के लिए ट्रम्प के 20-सूत्री प्लान को आंशिक तौर पर स्वीकार किया है। ट्रम्प ने इसे पॉजिटिव बताया, लेकिन नेतन्याहू ने कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस पर गुस्से में ट्रम्प ने कहा- मुझे नहीं पता तुम हमेशा इतने नकारात्मक क्यों रहते हो। यह जीत है, इसे स्वीकार कर लो। एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रम्प ने कहा कि इस वीकेंड पर हमास और दुनिया के कई देशों से बहुत अच्छी बातचीत हुई। इस बातचीत का मकसद गाजा युद्ध खत्म करना, बंधकों को छुड़ाना और मिडिल ईस्ट में शांति लाना है।

ट्रम्प ने कहा- बेहतर तरीके से बातचीत हो रही है। मैं इस पुराने झगड़े पर नजर रखूंगा। समय बहुत कीमती है, नहीं तो बहुत नुकसान होगा, जो कोई नहीं चाहता। ट्रम्प का 20-सूत्री प्लान 29 सितंबर पेश किया गया था। इसका मकसद बंधकों को छुड़ाना, गाजा में लड़ाई रोकना और मिडिल ईस्ट में शांति लाना है।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए टीम की घोषणा

समर ब्यूरो

भारतीय अंडर-17 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम अलेक्जेंडरसन ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह क्वालीफायर टूर्नामेंट किर्गिस्तान के बिश्केक में 13 से 17 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के ग्रुप जी में शामिल भारतीय टीम का मुकाबला 13 अक्टूबर को मेजबान किर्गिस्तान और 17 अक्टूबर को उज्बेकिस्तान से होगा। दोनों मैच डोलेन मुर्जाकोव स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप विजेता टीमें अगले साल चीन में होने वाले 12 टीमों के फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। अगस्त में भूटान में सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप जीतने के बाद भारतीय टीम ने गोवा में स्थानांतरित होने से पहले बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर जारी रखा। वे पहले मैच से छह दिन पहले मंगलवार को बिश्केक पहुंचेंगे, ताकि किर्गिजस्तान की राजधानी के अपेक्षाकृत ठंडे मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें।

भारत की 23 सदस्यीय टीम : गोलकीपर : मुन्नी, सूरजमुनि कुमारी, थमीना फातिमा, डिफेंडर : एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, बिनीता होरो, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जॉयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बदाइक, तानिया देवी टोनम्बम, मिडफील्डर : अभिस्ता बसनेट, अनीता डुंगडुंग, बोनिफिलिया शुलाई, जुलान नोंगमाईथेम, प्रीतिका बर्मन, श्वेता रानी, थंडामोनी बास्की, फॉर्वर्ड : अनुष्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, नीरा चानू लोंगजाम, पर्ल फर्नांडिस, वलैना फर्नांडिस।

सीरिया में 14 साल बाद चुनाव, अल-शरा की जीत तय

समर ब्यूरो

सीरिया में लगभग 14 साल बाद संसदीय चुनाव हुए हैं। एक ऐसा देश जो बशर अल-असद की तानाशाही और 13 साल लंबे गृहयुद्ध से तबाह हुआ। रविवार सुबह दमिश्क में मतदान शुरू हुआ तो इसे असद युग के अंत के बाद 'नए दौर की शुरुआत' बताया गया। पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट किए जाने के बाद अहमद अल-शरा ने अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर सत्ता संभाली थी। इसके बाद उन्होंने अमेरिका और पश्चिमी देशों से संबंध बेहतर किए। अल-शरा को अमेरिका ने मई 2013 में स्पेशल डेसिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। 12 साल बाद अमेरिका ने जुलाई 2025 को उनका नाम आतंकियों की सूची से बाहर किया। अपने आप में यह एक अनोखा मामला है।

आम जनता चुनावी प्रक्रिया से बाहर

अल-शरा ने पिछले साल अंतरिम राष्ट्रपति का पद संभलाने के बाद वादा किया था कि यह चुनाव 'लोकतांत्रिक बदलाव' की दिशा में पहला कदम होगा, मगर हकीकत में जनता को वोट देने का अधिकार ही नहीं मिला। 210 सदस्यीय संसद में दो-तिहाई यानी 140 सीटों पर मतदान 7 हजार चयनित चुनावी कॉलेज सदस्यों ने किया, जिन्हें सरकार द्वारा नियुक्त जिला समितियों ने चुना था। शेष 70 सीटें खुद शरा की नियुक्ति से भरी जाएंगी। आम जनता और राजनीतिक दल दोनों ही चुनाव प्रक्रिया से बाहर हैं। सबसे बड़ा विवाद 'जनता की अनुपस्थिति' का है। आलोचकों के मुताबिक यह चुनाव शरा सरकार की वैधता मजबूत करने की कवायद है, न कि जनता की इच्छा का प्रतीक। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का कहना है, सीरिया की यह पहली 'आजादी के बाद की संसद' लोकतंत्र की दिशा में कदम भले हो, लेकिन जनता की भागीदारी के बिना यह महज सत्ता परिवर्तन का औपचारिक चेहरा बनकर रह गया है। इस चुनाव में अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की जीत तय है।

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

समर ब्यूरो

भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे। भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल 3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल 3-एसयू 5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, "हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।' इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच 1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच 2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल 3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

गावस्कर ने वनडे टीम में कप्तानी बदलाव पर प्रतिक्रिया

समर ब्यूरो

भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को "आवश्यक कदम" बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

पाकि की बल्लेबाज पर आई.सी.सी. ने की कार्रवाई

» आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा

समर ब्यूरो

पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके लिए उन्हें औपचारिक रूप से फटकार लगाई है और उनके नाम एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। अमीन इस मैच में पाकिस्तान के लिए 106 गेंदों में 81 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं थी। अमीन ने आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा था। उन्हें आई.सी.सी. आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो कि अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग' से संबंधित है। इस लेवल 1 के अपराध में खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं। अमीन ने अंपायरों द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद मैच रेफरी शेंड्रे फ्रिट्ज द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान को इस मैच में भारत से 88 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। उसे टूर्नामेंट में अभी तक जीत हासिल नहीं हुई है, इससे पहले वह बंगलदेश से हार गया था और अब उसका अगला मुकाबला आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।